25-03- 2021

बीएनडी की छात्राओं को जानकारी देते एनएसआई के निदेशक नरेंद्र मोहन।

शर्करा उद्योग में देखीं स्टार्टअप की संभावनाएं

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में बीएनडी डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पहुंच शर्करा उद्योग से जुड़े मूल्य वर्धित उत्पादों में स्टार्ट अप की संभावनाओं को जाना। छात्र-छात्राओं ने स्पेशियिलटी शुगर डिवीजन, नैनो ब्रीवरी, नैनो इथेनॉल यूनिट में बहुत दिलचस्पी दिखाई और विज्ञानियों से इनकी तकनीक के बारे में जाना। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने छात्र-छात्राओं को बताया कि भारतीय शर्करा उद्योग के बदले हुए परिदृश्य में रोजगार की अपार संभावनाएं पैदा हो गई हैं। वर्तमान में यह सिर्फ चीनी तक ही सीमित नहीं है। बिजली, इथेनॉल तथा अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों में रोजगार की संभावनाएं पैदा हो गई हैं। मूल्यवर्धित गुड़ उत्पाद, लो कैलोरी स्वीट्नर सरीखे उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। इस दौरान छात्र-छात्राओं को नए अनुसंधान कार्यों और तकनीकों के संबंध में भी जानकारी दी गई। (ब्यूरो)

शर्करा उद्योग में अपार संभावनाएं

कानपुर। शैक्षणिक भ्रमण के लिये आए छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने कहा कि शर्करा उद्योग अपार संभावनाओं वाला उद्योग है। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को संस्थान के विभिन्न कार्यों व पाठ्यक्रमों को प्रदर्शित करने वाली एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखायी गयी। बीएनडी कॉलेज के छात्र-छात्राएं बुधवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के शैक्षणिक भ्रमण पर पहुंचे, जहां उन्हें संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी देने के साथ ही एक डाक्यूमेंट्री भी दिखायी गयी, जिसमें संस्थान के विभिन्न कार्यों व पाठ्यक्रमों को प्रदर्शित किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने कहा कि भारतीय शर्करा उद्योग तेजी से बदलते परिदृश्य में अपार संभावनाओं वाला उद्योग है। वर्तमान परिस्थितियों में यह केवल चीनी उत्पादन के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि बिजली, इथेनॉल व अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में सक्रिय है। संस्थान में शर्करा तकनीकी, शर्करा अभियांत्रिकी, अल्कोहल तकनीकी और अन्य सम्बंधित विषयों पर पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। सहायक आचार्य शर्करा शिल्प अशोक कुमार गर्ग ने छात्रों को संस्थान में चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। छात्रों ने यहां मूल्यवर्धित गुड़ आधारित उत्पाद, खोई से लो कैलोरी स्वीटनर आदि के उत्पादन की प्रक्रिया भी देखी और समझी। संस्थान के कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी महेन्द्र कुमार यादव सहित अन्य आचार्य मौजूद थे।

बीएनडी कॉलेज में छात्र छात्राओं को जानकारी देते राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन। फोटो : एसएनबी

बीएनडी के छात्रों का शर्करा संस्थान शैक्षणिक भ्रमण

कानपुर, 24 मार्च। बीएनडी कालेज के छात्रों ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य एनएसआई द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी और शर्करा उद्योग में रोजगार की संभावनाओं को तलाशना था। इस अवसर पर संस्थान द्वारा विभिन्न कार्यों और पाठ्यक्रमों पर तैयार डाक्यूमेंट्री भी दिखायी गयी। छात्र तथा फैकल्टी इससे काफी प्रभावित हुये। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहन ने कहा तेजी से बदलते परिदृश्य में भारतीय शर्करा उद्योग अपार संभावनाओं वाला उद्योग है। अब यह केवल चीनी उत्पादन के क्षेत्र ही नहीं वरन बिजली, एथेनाल तथा अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन में सक्रिय है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुये संस्थान द्वारा शर्करा तकनीकी, शर्करा अभियांत्रिकी, अल्कोहल तकनीकी समेत विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। संस्थान के शिक्षा प्रभारी अशोक कुमार गर्ग (सहायक आचार्य शर्करा शिल्प) ने छात्रों को विस्तार से पाठ्यक्रम के बारे में बताया। इस दौरान छात्रों ने स्पेशिलिटी शुगर डिवीजन, नैनो ब्रिवरी, नैनो इथेनाल यूनिट भी देखी तथा अन्य अनुभागों और प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण किया। तमाम अनुसंधान कार्यों की जानकारी भी ली।